माननीय प्रधानमंत्री के 12 साल बेमिसाल : सेवा, सुशासन, जनकल्याण

व्याख्यानमाला – *3*

विषय –'वन अर्थ, वन हेल्थ

मुख्य वक्ता एवं अतिथि

विजिटिग प्रोफेसर गिरेंद्र सिंह तोमर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय
गोरखपुर

दिनांक 17 जून 2026 पुर्वाहन 11:00 बजे

कार्यक्रम संरक्षक एवं अध्यक्ष

आचार्य सत्यकाम जी

माननीय कुलपति

नोडल अधिकारी कार्यक्रम

प्रोफेसर संजय कुमार सिंह

भूगोल, समाज विज्ञान विद्याशाखा

आयोजक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
12 साल बेमिसाल
12 UNPARALLELED YEARS
Trust, Development, Public Welfare
5 to 21 June 2026
Congratulations on successfully completing 12 Glorious and Unparalleled Years of Governance!
#12SaalBemisaal #ViksitBharat2047

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
द्वारा आयोजित
व्याख्यानमाला
17 जून 2026 | पूर्वाह्न 10:30 बजे से
विषय: "वन अर्थ, वन हेल्थ" (One Earth, One Health)
12 साल बेमिसाल
12 UNPARALLELED YEARS
विश्वास, विकास, जन कल्याण
5 से 21 जून 2026
प्रमुख वक्ता एवं पदाधिकारी
संरक्षक एवं अध्यक्ष
आचार्य सत्यकाम
माननीय कुलपति,
यू.पी.आर.टी.ओयू. प्रयागराज
मुख्य वक्ता
प्रो. (डॉ.) गिरेंद्र सिंह तोमर
विजिटिंग प्रोफेसर,
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर
कार्यक्रम अधिकारी (नोडल)
प्रो. संजय कुमार सिंह
भूगोल विभाग,
यू.पी.आर.टी.ओयू. प्रयागराज
धन्यवाद ज्ञापन
प्रो. आनंदानंद त्रिपाठी
राजनीति विज्ञान विभाग,
यू.पी.आर.टी.ओयू. प्रयागराज
ज़ूम मीटिंग आई. डी : 999 1423 4939
पासवर्ड: 1234
व्हाट्स ग्रुप लिंक
https://chat.whatsapp.com/Gy6k50nNVjxAlccgnyVms6
संपर्क: 7525048007
#12SaalBemisaal #ViksitBharat2047
संपर्क: 7525048007

स्वस्थ्य शरीर, स्वस्थ्य समाज से स्वस्थ्य राष्ट्र का निर्माण होगा
– आचार्य सत्यकाम जी

केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में व्याख्यानमाला के अंतर्गत आज चौथे दिन **"वन अर्थ, वन हेल्थ"** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। नोडल अधिकारी प्रोफेसर संजय सिंह ने अतिथियों की वाचिक स्वागत एवं विषय परिवर्तन के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं अतिथि प्रोफेसर गिरेंद्र सिंह तोमर ने भारत के प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी के कार्यों की सराहना करते हुए **वन अर्थ, वन हेल्थ** विषय पर अपने विचार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जल, जंगल, जमीन, जानवर के स्वस्थ रहने पर ही जनता स्वस्थ रहेगी। पृथ्वी माता यदि प्रदूषण और कुपोषित होगी तो हम सब उनकी संताने सुखी नहीं रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि **जी 20** की बैठक में वन अर्थ वन हेल्थ का नारा मननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने दिया था वक्ता डॉक्टर तोमर ने यह बताया कि मानव का स्वास्थ्य अलग से सही नहीं होगा, समेकित रूप से जब पृथ्वी जल, वन, पशु–पक्षी आदि सभी का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी स्वस्थ मानव का स्वप्न साकार होगा। प्रोफेसर तोमर जी ने बताया भोजन का समय कब हो, आहार मे किन खाद्यान्न पदार्थ की प्राथमिकता हो इसका उन्होंने भारतीय प्रवेश में उदाहरण के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि आहार, विहार, अचार, औषधि महत्वपूर्ण है। वेद, पुराण, उपनिषद की अनेक उदाहरण के माध्यम से मानव कैसे निरोगीत रहे को बताया है। उन्होंने सूर्य नमस्कार अनुलोम विलोम, भारती ज्ञान परंपरा, जड चेतन, वृक्ष आयुर्वेद अनामय, शांति मंत्र, विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों, मिलेट के आहार को प्राथमिकता दिया। कफ, पित्त, वायु से होने वाले विकार के संदर्भ में वक्ता ने बताया कि सब का निदान प्रतिदिन सामान्य रूप से सूर्य नमस्कार के साथ संभव है। बाजारू फास्ट फूड के उपयोग को घटाने और सीमित करने पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि WHO और भारतीय चिकित्सा सेवा की विभिन्न उपक्रम के द्वारा निरोगी वातावरण बनाया जा सकता हैं। उन्होंने वृक्ष लगाने के साथ, वृक्षों के संरक्षण को वेद वाक्य के संदर्भ में समझाया कि कैसे एक वृक्ष 10 पुत्र से महान होता है। डिजिटल हेल्थ स्मार्ट फार्मा आयुर्वेद की विविद्य पहलुओं को भी अपने व्याख्यान में शामिल किया प्रातः काल में सूर्योदय के पूर्व जगने और ताम्रपत्र में जल पीने और सूर्यास्त के पूर्व भोजन करने को स्वस्थ रहने के लिए अनिवार्य बताया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राशि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलगुरु आचार्य सत्यकाम जी ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी के नेतृत्व में देश के चौमुखी विकास के साथ शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाओं की रूपरेखा बताते हुए वन अर्थ वन हेल्थ को अत्यंत उपयोगी बताया और कहा कि स्वस्थ शरीर, स्वस्थ लोग से स्वस्थ राष्ट्र बनेगा। अंत में कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर आनंद आनंद त्रिपाठी जी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सुनील कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर प्राचीन इतिहास विभाग ने किया।

उ0प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

केन्द्र सरकार के 12 वर्ष : सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण

व्याख्यानमाला – 2026

विषय

“वन अर्थ, वन हेल्थ”

(One Earth, One Health)

दिनांक	समय	माध्यम
17 जून 2026 (बुधवार)	पूर्वाह्न 10.30 बजे से	ऑनलाइन

संरक्षक एवं अध्यक्ष	मुख्य वक्ता	कार्यक्रम अधिकारी (नोडल)	धन्यवाद ज्ञापन	संचालन
आचार्य सत्यकाम	**प्रो0 (डॉ.) गिरेन्द्र सिंह तोमर**	**प्रो0 संजय कुमार सिंह**	**प्रो0 आनन्दानन्द त्रिपाठी**	**डॉ0 सुनील कुमार**
माननीय कुलपति उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	विजिटिंग प्रोफेसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर	भूगोल विभाग उ0प्र0राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज	राजनीति विज्ञान विभाग उ0प्र0राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज	इतिहास विभाग उ0प्र0राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

zoom

ZOOM MEETING DETAILS

Meeting ID : 99914234939

Passcode : 1234

सूचना हेतु लिंक

https://chat.whatsapp.com/Gy6k50nNVjxAlccgnyVms6

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन
मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

✆ 7525048007

आप सभी का हार्दिक स्वागत है !

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन 17 जून, 2026

मुक्त विश्वविद्यालय में 12 साल बेमिसाल पर व्याख्यानमाला का आयोजन

मुक्त विश्वविद्यालय में 12 साल बेमिसाल पर व्याख्यान माला का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यानमाला श्रृंखला में दिनांक 17 जून, 2026 को उत्तर वन अर्थ, वन हेल्थ विषय पर चतुर्थ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर गिरेंद्र सिंह तोमर, विजिटिंग प्रोफेसर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी ने की।

प्रारंभ में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रोफेसर संजय सिंह ने अतिथियों का वाचिक स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० सुनील कुमार एवं प्रोफेसर आनन्दानंद त्रिपाठी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

योग से शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव : प्रोफेसर तोमर

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर गिरेंद्र सिंह तोमर, विजिटिंग प्रोफेसर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने ऑनलाइन उद्बोधन में कहा कि मानव का स्वास्थ्य प्रकृति के स्वास्थ्य से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। जल, जंगल, जमीन और जीव–जंतुओं के स्वस्थ एवं संरक्षित रहने पर ही समाज स्वस्थ रह सकता है। उन्होंने कहा कि यदि पृथ्वी प्रदूषण, असंतुलन और कुपोषण से ग्रस्त होगी तो मानव जीवन भी सुखी और निरोगी नहीं रह पाएगा। उन्होंने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी–20 के मंच से वन अर्थ, वन हेल्थ का संदेश देकर विश्व समुदाय को समेकित स्वास्थ्य की दिशा प्रदान की। प्रोफेसर तोमर ने भारतीय ज्ञान परम्परा, वेद, उपनिषद तथा आयुर्वेद के उदाहरणों के माध्यम से निरोगी जीवन के सूत्र प्रस्तुत करते हुए आहार, विहार, आचार एवं औषधि को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। उन्होंने संतुलित एवं समयानुकूल भोजन, मोटे अनाज (मिलेट्स) के उपयोग, फास्ट फूड के सीमित सेवन तथा भारतीय जीवन–पद्धति को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने सूर्य नमस्कार, अनुलोम–विलोम एवं योगाभ्यास को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि नियमित योग से अनेक शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव है।

उन्होंने वृक्षारोपण के साथ–साथ वृक्ष संरक्षण को भी अत्यंत आवश्यक बताते हुए वैदिक वचनों का उल्लेख किया और कहा कि भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष को दस पुत्रों के समान महत्त्व दिया गया है। उन्होंने डिजिटल हेल्थ, स्मार्ट फार्मा, आयुर्वेद तथा विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। स्वस्थ जीवन के लिए प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व जागने, ताम्रपात्र में जल ग्रहण करने तथा सूर्यास्त से पूर्व भोजन करने की उपयोगिता को भी उन्होंने रेखांकित किया।

राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक –प्रोफेसर सत्यकाम

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि वन अर्थ, वन हेल्थ की अवधारणा वर्तमान समय की अत्यंत प्रासंगिक पहल है, जो मानव और प्रकृति के मध्य संतुलित संबंध स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज से ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होगा। उन्होंने युवाओं से योग, संतुलित आहार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा भारतीय जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया।

RC Ayodhya
Ayodhya
Dr. G. S. Tomar

RC Ayodhya Ayodhya
Pro. Sanjay Singh

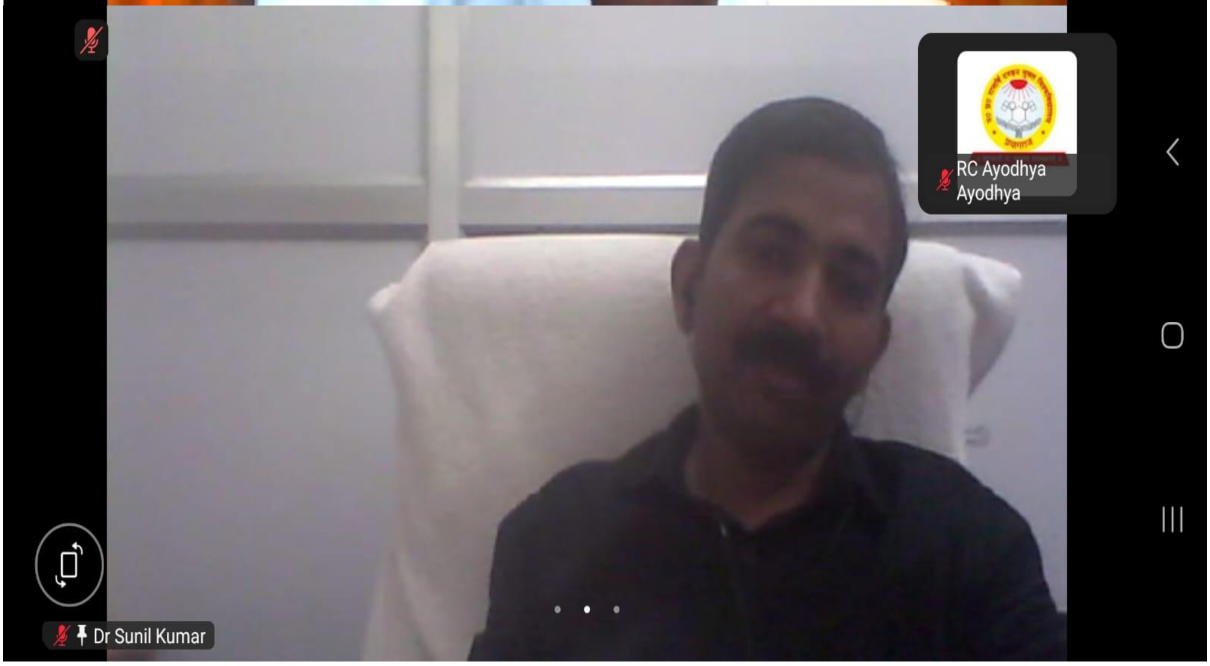
RC Ayodhya
Ayodhya
Dr Sunil Kumar

11:29
85
RC
Ayodhya
Ayodhya
prof.Santosha kumar

11:26
85
RC
Ayodhya
Ayodhya
Dr.Ananda Nand Tripathi

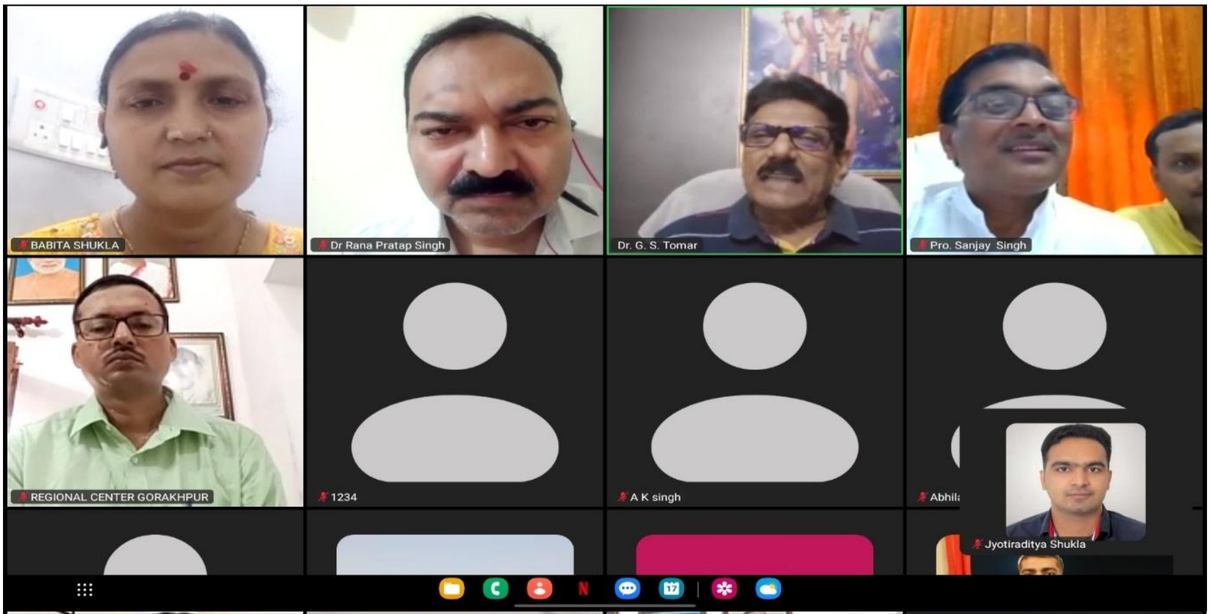
BABITA SHUKLA
Dr Rana Pratap Singh
Dr. G. S. Tomar
Pro. Sanjay Singh
REGIONAL CENTER GORAKHPUR
1234
A K singh
Jyotiraditya Shukla

RC Ayodhya Ayodhya
RC PRAYAGRAJ
REGIONAL CENTER GORAKHPUR
1234
Jyotiraditya Shukla

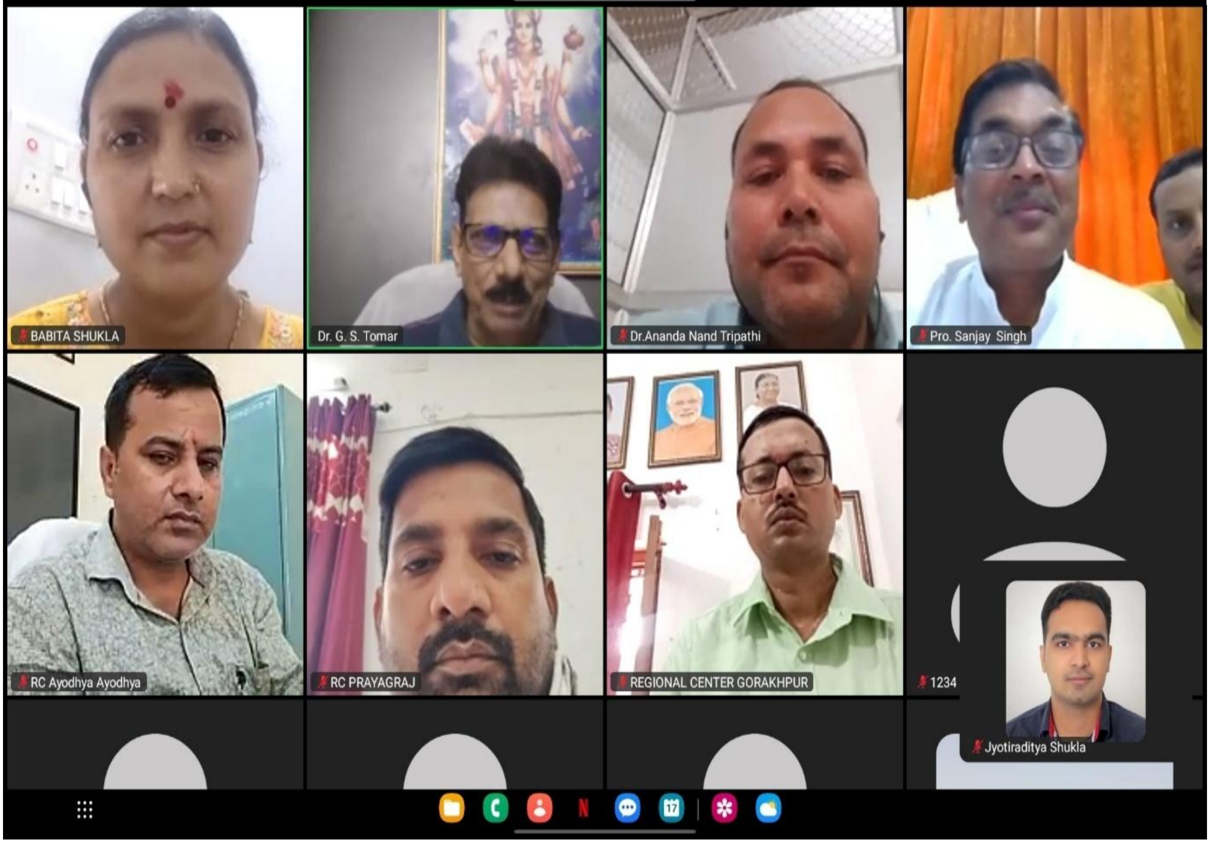
BABITA SHUKLA
Dr. G. S. Tomar
Dr.Ananda Nand Tripathi
Pro. Sanjay Singh
RC Ayodhya Ayodhya
RC PRAYAGRAJ
REGIONAL CENTER GORAKHPUR
1234
Jyotiraditya Shukla

10:55
केंद्र सरकार के 12 वर्ष की ...
REC
BABITA SHUKLA
Dr. G. S. Tomar
OnePlus CPH2381
Pro. Sanjay Singh
REGIONAL CENTER GORAKHPUR
1234
RC Ayodhya Ayodhya
Unmute
Stop video
Chat
Participants
More

11:29
केंद्र सरकार के 12 वर्ष की ...
REC
Dr. G. S. Tomar
Dr.Ananda Nand Tripathi
Dr.YOGESH KUMAR YADAV
Pro. Sanjay Singh
prof.Santosha kumar
REGIONAL CENTER
RC Ayodhya Ayodhya
Unmute
Stop video
Chat
Participants
More
Leave

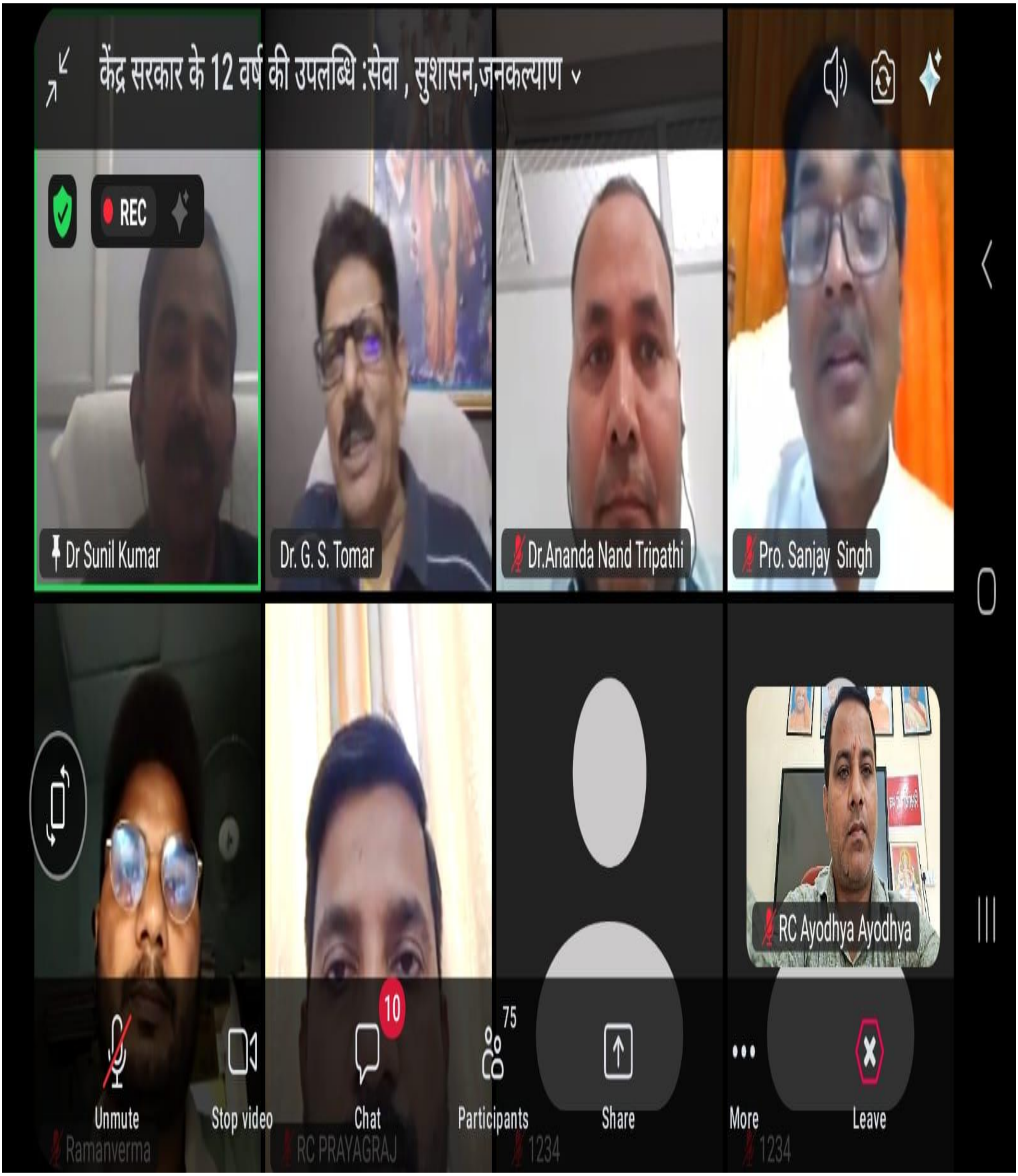
केंद्र सरकार के 12 वर्ष की उपलब्धि :सेवा , सुशासन,जनकल्याण
REC
Dr Sunil Kumar
Dr. G. S. Tomar
Dr.Ananda Nand Tripathi
Pro. Sanjay Singh
RC Ayodhya Ayodhya
Unmute
Stop video
Chat
Participants
Share
More
Leave
Ramanverma
RC PRAYAGRAJ
1234
1234

10:51
93
केंद्र सरकार के 12 वर्ष की उपल...
REC
Atul Prakash
BABITA SHUKLA
Dr Rana Pratap Singh
Dr. G. S. Tomar
Pro. Sanjay Singh
REGIONAL CENTER GORAKHPUR
RC Ayodhya Ayodhya
Unmute
Start video
Chat
2
Participants
53
More
Leave

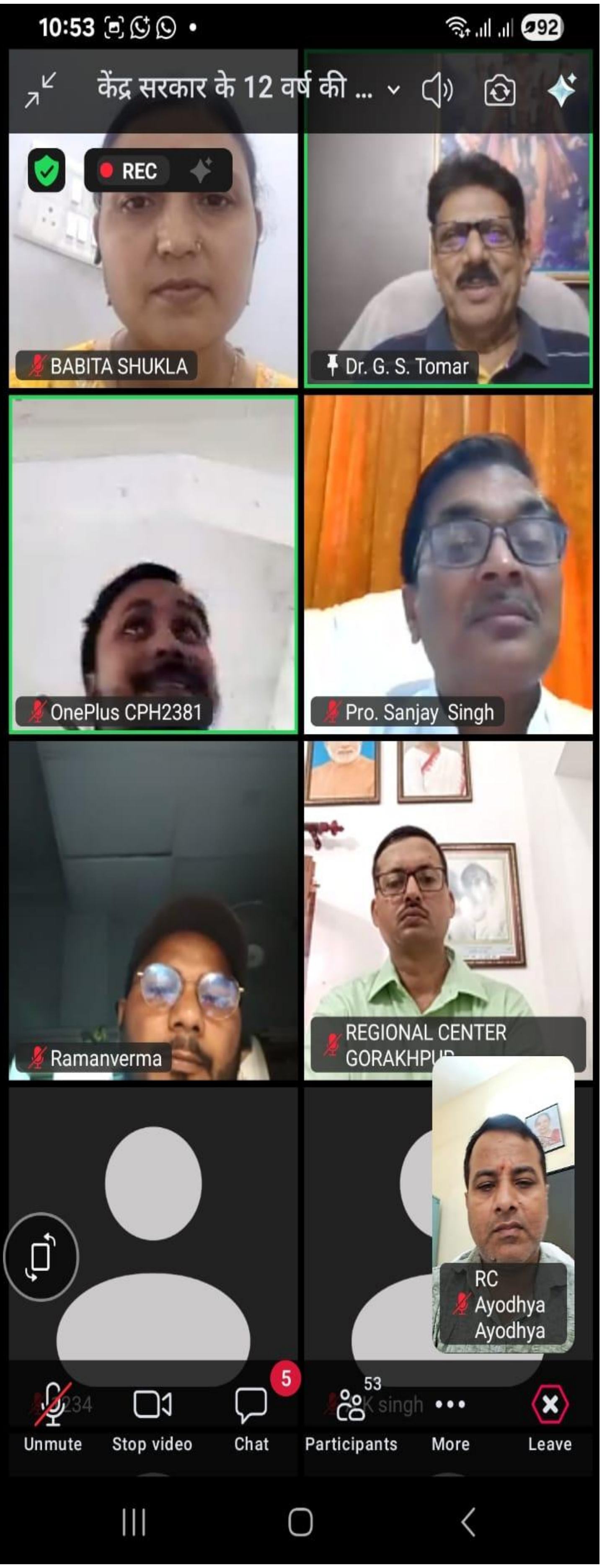
10:53
92
केंद्र सरकार के 12 वर्ष की ...
REC
BABITA SHUKLA
Dr. G. S. Tomar
OnePlus CPH2381
Pro. Sanjay Singh
Ramanverma
REGIONAL CENTER GORAKHPUR
RC Ayodhya Ayodhya
Unmute
Stop video
Chat
5
Participants
53
More
Leave

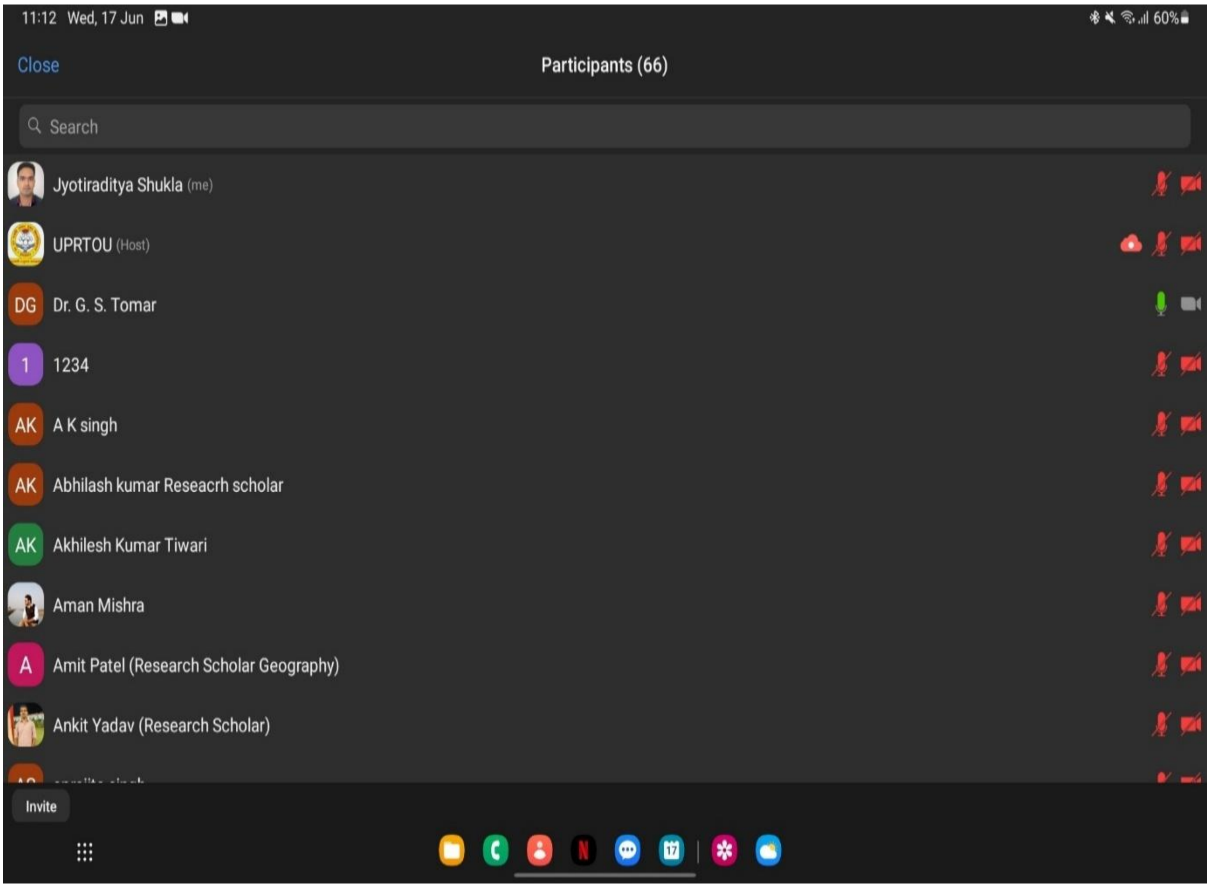
11:12 Wed, 17 Jun
60%
Close
Participants (66)
Search
Jyotiraditya Shukla (me)
UPRTOU (Host)
DG Dr. G. S. Tomar
1 1234
AK A K singh
AK Abhilash kumar Reseacrh scholar
AK Akhilesh Kumar Tiwari
Aman Mishra
A Amit Patel (Research Scholar Geography)
Ankit Yadav (Research Scholar)
Invite

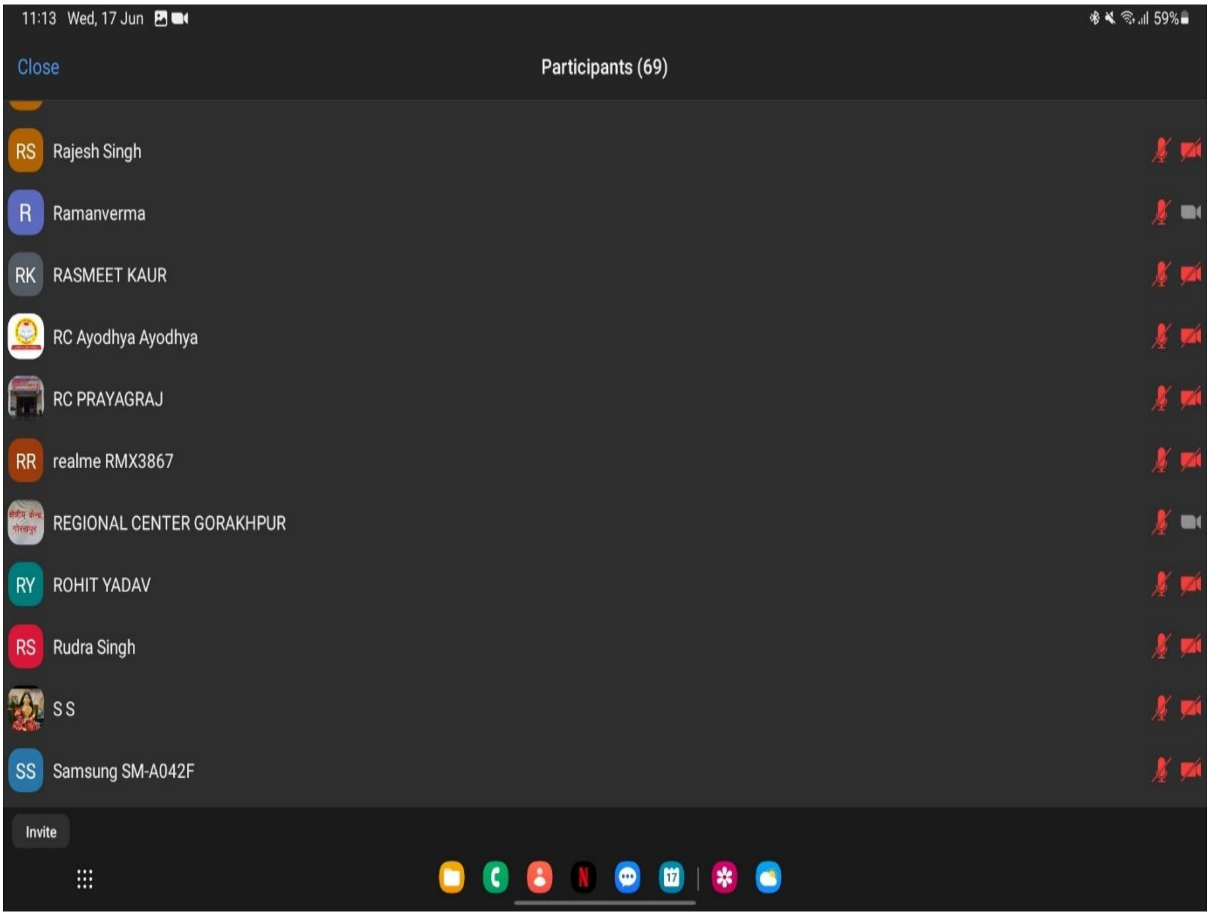
11:13 Wed, 17 Jun
59%
Close
Participants (69)
RS Rajesh Singh
R Ramanverma
RK RASMEET KAUR
RC Ayodhya Ayodhya
RC PRAYAGRAJ
RR realme RMX3867
REGIONAL CENTER GORAKHPUR
RY ROHIT YADAV
RS Rudra Singh
S S
SS Samsung SM-A042F
Invite

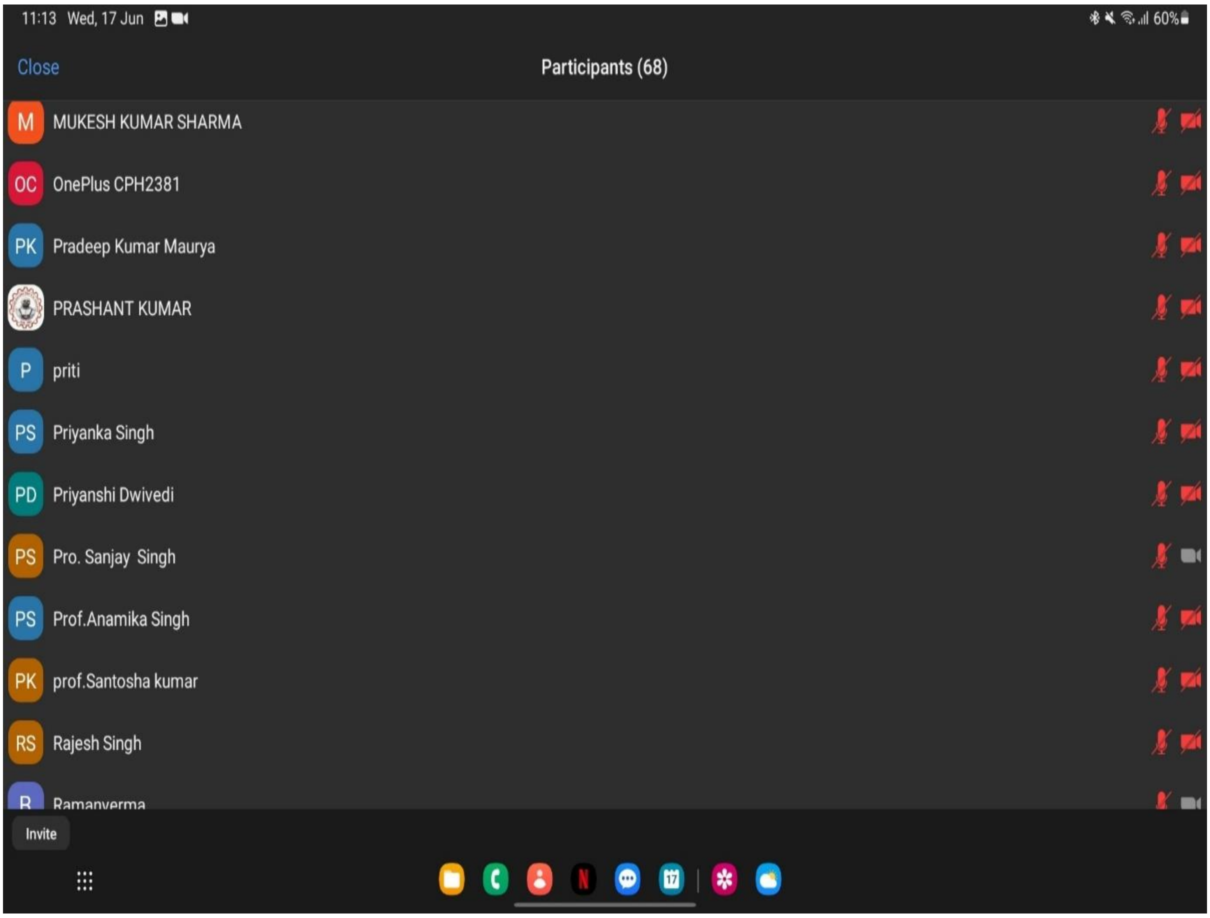
11:13 Wed, 17 Jun
60%
Close
Participants (68)
MUKESH KUMAR SHARMA
OnePlus CPH2381
Pradeep Kumar Maurya
PRASHANT KUMAR
priti
Priyanka Singh
Priyanshi Dwivedi
Pro. Sanjay Singh
Prof.Anamika Singh
prof.Santosha kumar
Rajesh Singh
Ramanverma
Invite

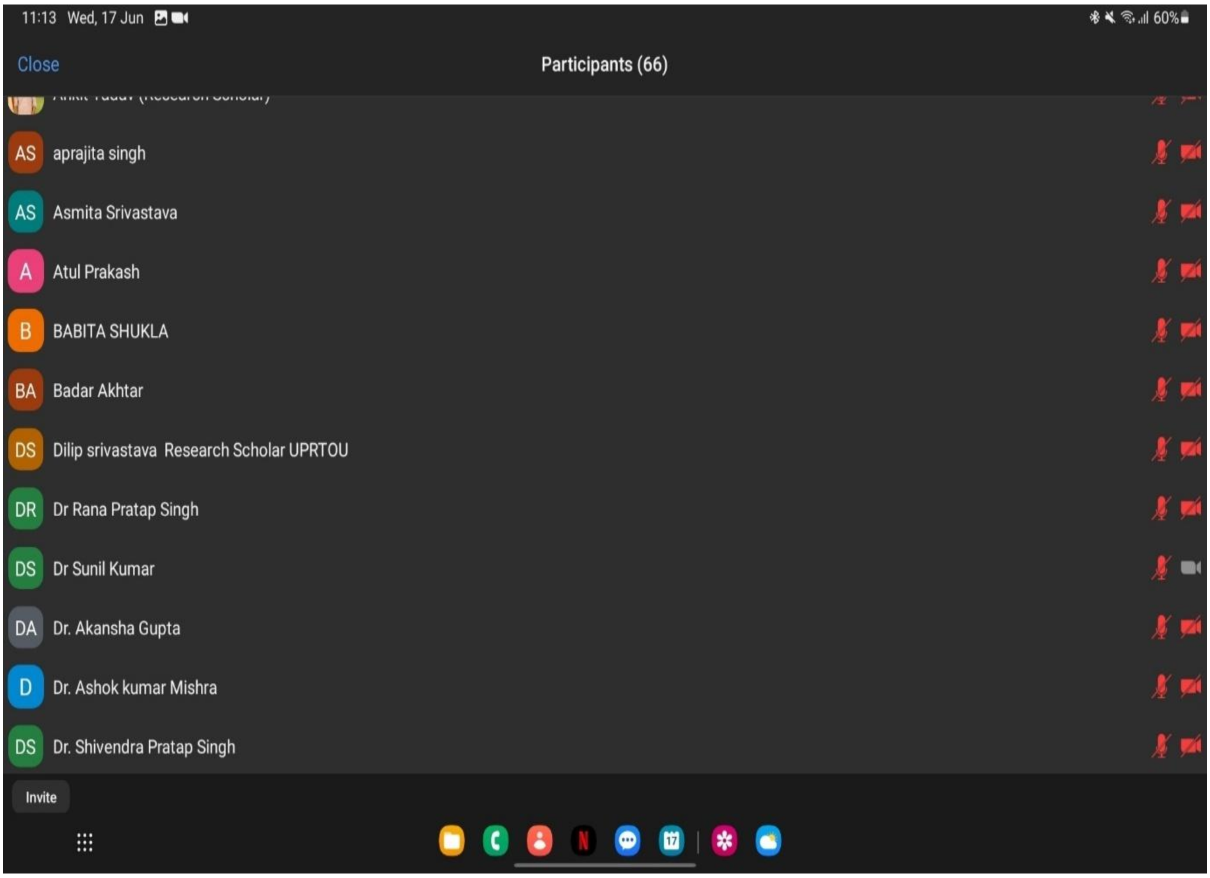
11:13 Wed, 17 Jun
60%
Close
Participants (66)
aprajita singh
Asmita Srivastava
Atul Prakash
BABITA SHUKLA
Badar Akhtar
Dilip srivastava Research Scholar UPRTOU
Dr Rana Pratap Singh
Dr Sunil Kumar
Dr. Akansha Gupta
Dr. Ashok kumar Mishra
Dr. Shivendra Pratap Singh
Invite

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर व्याख्यान देंगे डॉ0 तोमर

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज केन्द्र में सरकार के सेवा, सुशासन एवं जन कल्याण के बारह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है । इसके अंतर्गत 17 जून, 2026 को पूर्वाह्न 10.30 बजे विश्व आयुर्वेद मिशन के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) गिरेन्द्र सिंह तोमर, 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर अपना व्याख्यान देंगे । कार्यक्रम की अध्यक्षता उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम करेंगे । यह जानकारी विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने दी है । 21 जून को होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग सप्ताह का शुभारम्भ दि. 15 जून को हो चुका है । डॉ तोमर नियमित रूप से इस वर्ष के थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' विषय पर विभिन्न मंचों के माध्यम से प्रबोधन देकर योग जैसी जीवंत भारतीय ज्ञान परम्परा को प्रतिदिन की जीवनशैली में सम्मिलित किए जाने हेतु जन जागरूकता में सन्नद्ध हैं ।

योग से शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव : प्रो तोमर

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित व्याख्यानमाला के अंतर्गत बुधवार को वन अर्थ, वन हेल्थ विषय पर चतुर्थ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य प्रो गिरेंद्र सिंह तोमर, विजिटिंग प्रो, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने ऑनलाइन उद्बोधन में कहा कि मानव का स्वास्थ्य प्रकृति के स्वास्थ्य से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। जल, जंगल, जमीन और जीव-जंतुओं के स्वस्थ एवं संरक्षित रहने पर ही समाज स्वस्थ रह सकता है। उन्होंने कहा कि यदि पृथ्वी प्रदूषण, असंतुलन और कुपोषण से ग्रस्त होगी तो मानव जीवन भी सुखी और निरोगी नहीं रह पाएगा। उन्होंने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 के मंच से वन अर्थ, वन हेल्थ का संदेश देकर विश्व समुदाय को समेकित स्वास्थ्य की दिशा प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि वन अर्थ, वन हेल्थ की अवधारणा वर्तमान समय की अत्यंत प्रासंगिक पहल है, जो मानव और प्रकृति के मध्य संतुलित संबंध स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रो सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज से ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होगा।

योग से शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव- प्रोफेसर तोमर

राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक -प्रोफेसर सत्यकाम

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित व्याख्यानमाला के अंतर्गत बुधवार को वन अर्थ, वन हेल्थ विषय पर चतुर्थ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर गिरेंद्र सिंह तोमर, विजिटिंग प्रोफेसर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने ऑनलाइन उद्बोधन में कहा कि मानव का स्वास्थ्य प्रकृति के स्वास्थ्य से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। जल, जंगल, जमीन और जीव-जंतुओं के स्वस्थ एवं संरक्षित रहने पर ही समाज स्वस्थ रह सकता है। उन्होंने कहा कि यदि पृथ्वी प्रदूषण, असंतुलन और कुपोषण से ग्रस्त होगी तो मानव जीवन भी सुखी और निरोगी नहीं रह पाएगा। उन्होंने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 के मंच से वन अर्थ, वन हेल्थ का संदेश देकर विश्व समुदाय

को समेकित स्वास्थ्य की दिशा प्रदान की। प्रोफेसर तोमर ने भारतीय ज्ञान परम्परा, वेद, उपनिषद तथा आयुर्वेद के उदाहरणों के माध्यम से निरोगी जीवन के सूत्र प्रस्तुत करते हुए आहार, विहार, आचार एवं औषधि को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। उन्होंने संतुलित एवं समयानुकूल भोजन, मोटे अनाज (मिलेट्स) के उपयोग, फास्ट फूड के सीमित सेवन तथा भारतीय जीवन-पद्धति को अपनाने पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि वन अर्थ, वन हेल्थ की अवधारणा वर्तमान समय की अत्यंत प्रासंगिक पहल है, जो मानव और प्रकृति के मध्य संतुलित संबंध स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करती है।

जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि नोडल अधिकारी प्रोफेसर संजय सिंह ने अतिथियों का वाचिक स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० सुनील कुमार एवं प्रोफेसर आनन्दानंद त्रिपाठी ने आभार व्यक्त किया।

योग से शारीरिक विकारों की रोकथाम संभवः प्रो. तोमर

युनाइटेड भारत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार के '12 साल बेमिसाल' कार्यक्रम श्रृंखला के तहत बुधवार को 'वन अर्थ, वन हेल्थ' विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के विजिटिंग प्रोफेसर गिरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मानव स्वास्थ्य प्रकृति के स्वास्थ्य से सीधे जुड़ा है। जल, जंगल, जमीन और जीव-जंतुओं के संरक्षण से ही स्वस्थ समाज और स्वस्थ जीवन संभव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-20 मंच से दिया गया 'वन अर्थ, वन हेल्थ' का संदेश वैश्विक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण पहल है।

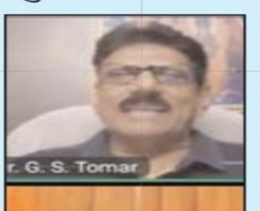

भारतीय ज्ञान परंपरा, वेद, उपनिषद और आयुर्वेद का उल्लेख करते हुए उन्होंने संतुलित आहार, मोटे अनाज (मिलेट्स), सीमित फास्ट फूड सेवन और भारतीय जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। प्रो. तोमर ने कहा कि नियमित सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम और योगाभ्यास से अनेक शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक विकास के क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

मुविवि में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल व्याख्यानमाला

योग से शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव : प्रोफेसर तोमर, राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक -प्रोफेसर सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित व्याख्यानमाला के अंतर्गत बुधवार को वन अर्थ, वन हेल्थ विषय पर चतुर्थ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर गिरेंद्र सिंह तोमर, विजिटिंग प्रोफेसर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने ऑनलाइन उद्बोधन में कहा कि मानव का स्वास्थ्य प्रकृति के स्वास्थ्य से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। जल, जंगल, जमीन और जीव-जंतुओं के स्वस्थ एवं संरक्षित रहने पर ही समाज स्वस्थ रह सकता है। उन्होंने कहा कि यदि पृथ्वी प्रदूषण, असंतुलन और कुपोषण से ग्रस्त होगी तो मानव जीवन भी सुखी और निरोगी नहीं रह पाएगा। उन्होंने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 के मंच से वन अर्थ, वन हेल्थ का संदेश देकर विश्व समुदाय को समेकित स्वास्थ्य की दिशा प्रदान की। प्रोफेसर तोमर ने भारतीय ज्ञान परम्परा, वेद, उपनिषद तथा आयुर्वेद के उदाहरणों के माध्यम से निरोगी जीवन के सूत्र प्रस्तुत करते हुए आहार, विहार, आचार एवं औषधि को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। उन्होंने संतुलित एवं समयानुकूल भोजन, मोटे अनाज (मिलेट्स) के उपयोग, फास्ट फूड के सीमित सेवन तथा भारतीय जीवन-पद्धति को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम एवं योगाभ्यास को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि नियमित योग से अनेक शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव है।

उन्होंने वृक्षारोपण के साथ-साथ वृक्ष संरक्षण को भी अत्यंत आवश्यक बताते हुए वैदिक वचनों का उल्लेख किया और कहा कि भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष को दस पुत्रों के समान महत्त्व दिया गया है। उन्होंने डिजिटल हेल्थ, स्मार्ट फार्मा, आयुर्वेद तथा विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। स्वस्थ जीवन के लिए प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व जागने, ताम्रपात्र में जल ग्रहण करने तथा सूर्यास्त से पूर्व भोजन करने की उपयोगिता को भी उन्होंने रेखांकित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि वन अर्थ, वन हेल्थ की अवधारणा वर्तमान समय की अत्यंत प्रासंगिक पहल है, जो मानव और प्रकृति के मध्य संतुलित संबंध स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज से ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होगा। उन्होंने युवाओं से योग, संतुलित आहार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा भारतीय जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया।

जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि नोडल अधिकारी प्रोफेसर संजय सिंह ने अतिथियों का वाचिक स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सुनील कुमार एवं प्रोफेसर आनन्दानंद त्रिपाठी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

Yoga Can Prevent Physical Disorders: Professor Tomar

Healthy Citizens Are the Foundation of Nation Building: Professor Satyakam

Lecture Series on "12 Remarkable Years of the Central Government" at UPRTOU

JE CORRESPONDENT

Prayagraj: As part of the lecture series organized under the "12 Remarkable Years of the Central Government" program at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU), Prayagraj, the fourth lecture on the theme "One Earth, One Health" was held on Wednesday.

The keynote speaker, Professor Girendra Singh Tomar, Visiting Professor at Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur, addressed the audience online and stated that human health is inseparably linked to the health of nature. He emphasized that society can remain healthy only when water, forests, land, and wildlife are protected and maintained in a healthy state. He noted that if the Earth suffers from pollution, ecological imbalance, and malnutrition, human life cannot remain prosperous and disease-free. Referring to Prime Minister Narendra Modi's message of "One Earth, One Health" at the G-20 platform, Professor Tomar said that it has provided the global community with a direction toward integrated healthcare.

Drawing examples from Indian knowledge traditions, the Vedas, Upanishads, and Ayurveda, Professor Tomar outlined the principles of healthy living. He described diet, lifestyle, conduct, and medicine as the pillars of good health. Stressing the importance of balanced and timely meals, he advocated the use of millets, limited consumption of fast food, and adherence to the Indian way of life.

He also emphasized incorporating Surya Namaskar, Anulom-Vilom, and regular yoga practice into daily routines, stating

that consistent yoga can help prevent many physical disorders.

Highlighting environmental conservation, he said that tree plantation must be accompanied by tree protection. Referring to Vedic teachings, he remarked that Indian culture accords a tree the value of ten sons. He also underscored the need for integrating digital health, smart pharmaceuticals, Ayurveda, and various systems of medicine. For a healthy lifestyle, he recommended waking up before sunrise, drinking water stored in a copper vessel, and having meals before sunset.

Presiding over the program, Professor Satyakam, Vice-Chancellor of the Open University, stated that under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, the country is making continuous progress in education, healthcare, environmental protection, and social development. He described the concept of "One Earth, One Health" as a highly relevant initiative that promotes a balanced relationship between humanity and nature.

Professor Satyakam emphasized that healthy citizens form the foundation of nation building. He said that a healthy nation can only be built through healthy individuals and a healthy society. He urged young people to adopt yoga, balanced nutrition, cleanliness, environmental conservation, and Indian values, while actively contributing to the vision of a Developed India.

According to Dr. Prabhat Chandra Mishra, Public Relations Officer, Professor Sanjay Singh, the nodal officer, formally welcomed the guests and introduced the theme of the lecture. The program was conducted by Dr. Sunil Kumar, while Professor Anand Anand Tripathi delivered the vote of thanks. Teachers, officers, staff members, research scholars, and students of the university participated in large numbers.

योग से शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव : प्रो. तोमर

राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक : प्रो. सत्यकाम

आनंदी मेल ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित व्याख्यानमाला के अंतर्गत बुधवार को वन अर्थ, वन हेल्थ विषय पर चतुर्थ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो.गिरेंद्र सिंह तोमर, विजिटिंग प्रो.महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने ऑनलाइन उद्बोधन में कहा कि मानव का स्वास्थ्य प्रकृति के स्वास्थ्य से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। जल, जंगल, जमीन और जीव-जंतुओं के स्वस्थ एवं संरक्षित रहने पर ही समाज स्वस्थ रह सकता है। उन्होंने कहा कि यदि पृथ्वी प्रदूषण, असंतुलन और कुपोषण से ग्रस्त होगी तो मानव जीवन भी सुखी और निरोगी नहीं रह पाएगा। उन्होंने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 के मंच से वन अर्थ, वन हेल्थ का संदेश देकर विश्व समुदाय को समेकित स्वास्थ्य की दिशा प्रदान की। प्रो. तोमर ने भारतीय ज्ञान परम्परा, वेद, उपनिषद तथा आयुर्वेद के उदाहरणों के माध्यम से निरोगी जीवन के सूत्र प्रस्तुत करते हुए आहार, विहार, आचार एवं औषधि को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। उन्होंने संतुलित एवं समयानुकूल भोजन, मोटे अनाज (मिलेट्स) के उपयोग, फास्ट फूड के सीमित सेवन तथा भारतीय जीवन-पद्धति को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम एवं योगाभ्यास को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि नियमित योग से अनेक शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव है। उन्होंने वृक्षारोपण के साथ-साथ वृक्ष संरक्षण को भी अत्यंत आवश्यक बताते हुए वैदिक वचनों का उल्लेख किया और कहा कि भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष को दस पुत्रों के समान महत्त्व दिया गया है। उन्होंने डिजिटल हेल्थ, स्मार्ट फार्मा, आयुर्वेद तथा विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। स्वस्थ जीवन के लिए प्रात:काल सूर्योदय से पूर्व जागने, ताम्रपात्र में जल ग्रहण करने तथा सूर्यास्त से पूर्व भोजन करने की उपयोगिता को भी उन्होंने रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि वन अर्थ, वन हेल्थ की अवधारणा वर्तमान समय की अत्यंत प्रासंगिक पहल है, जो मानव और प्रकृति के मध्य संतुलित संबंध स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करती है।

से डाउनलोड की गई यह कॉपी पूरी तरह से सत्यापित और कानूनी रूप से मान्य दस्तावेज है, जिसका उपयोग योजनाओं का लाभ उठाने का माध्यम जा रहा है। इससे सरकारी सेवाओं मुक्त करता है।

योग से शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव : प्रोफेसर तोमर

- राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक -प्रोफेसर सत्यकाम
- मुविवि में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल व्याख्यानमाला

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज, 17 जून। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित व्याख्यानमाला के अंतर्गत बुधवार को वन अर्थ, वन हेल्थ विषय पर चतुर्थ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर गिरेंद्र सिंह तोमर, विजिटिंग प्रोफेसर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने ऑनलाइन उद्बोधन में कहा कि मानव का स्वास्थ्य प्रकृति के स्वास्थ्य से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। जल, जंगल, जमीन और जीव-जंतुओं के स्वस्थ एवं संरक्षित रहने पर ही समाज स्वस्थ रह सकता है। उन्होंने कहा कि यदि पृथ्वी प्रदूषण, असंतुलन और कुपोषण से ग्रस्त होगी तो मानव जीवन भी सुखी और निरोगी नहीं रह पाएगा। उन्होंने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 के मंच से वन अर्थ, वन हेल्थ का संदेश देकर विश्व समुदाय को समेकित स्वास्थ्य की दिशा प्रदान की। प्रोफेसर तोमर ने भारतीय ज्ञान परम्परा, वेद, उपनिषद तथा आयुर्वेद के उदाहरणों के माध्यम से निरोगी जीवन के सूत्र प्रस्तुत करते हुए आहार, विहार, आचार एवं औषधि को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। उन्होंने संतुलित एवं समयानुकूल भोजन, मोटे अनाज (मिलेट्स) के उपयोग, फास्ट फूड के सीमित सेवन तथा भारतीय जीवन-पद्धति को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम एवं योगाभ्यास को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि नियमित योग से अनेक शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव है। उन्होंने वृक्षारोपण के साथ-साथ वृक्ष संरक्षण को भी अत्यंत आवश्यक बताते हुए वैदिक वचनों का उल्लेख किया और कहा कि भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष को दस पुत्रों के समान महत्त्व दिया गया है। उन्होंने डिजिटल हेल्थ, स्मार्ट फार्मा, आयुर्वेद तथा विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। स्वस्थ जीवन के लिए प्रात:काल सूर्योदय से पूर्व जागने, ताम्रपात्र में जल ग्रहण करने तथा सूर्यास्त से पूर्व भोजन करने की उपयोगिता को भी उन्होंने रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि वन अर्थ, वन हेल्थ की अवधारणा वर्तमान समय की अत्यंत प्रासंगिक पहल है, जो मानव और प्रकृति के मध्य संतुलित संबंध स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज से ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होगा। उन्होंने युवाओं से योग, संतुलित आहार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा भारतीय जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया।

जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि नोडल अधिकारी प्रोफेसर संजय सिंह ने अतिथियों का वाचिक स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० सुनील कुमार एवं प्रोफेसर आनन्दानंद त्रिपाठी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

SANYAM BHARAT NEWS

g, incredible n every field: Chaudhary

crocodiles, and fish has increased, indicating that the water quality of the Ganges has improved. Various investigations have also revealed that the water of the Ganges has become cleaner. The water of the Ganges is uninterrupted.

Drains are being closed and purified. In the last 12 years, under the leadership of PM Narendra Modi, the country has seen development in every sector. Awareness

Mishra, MLA Siddharth Nath Singh, Harshvardhan Bajpai, Mayor Ganesh Kesharwani, Kashi region Vice President Awadhesh Chandra Gupta, Pramod Modi, Ramesh Pasi, Rajendra Mishra, Ravindra Mishra, Brijesh Gupta, Councilor Neeraj Gupta, Anup Kumar Manoj Kushwaha, Anamika Chaudhary, Vinod Prajapati, Kamlesh Gautam, Dr. Shailesh Pandey, Vijay

Prevention of physical disorders possible via yoga: Prof Tomar

Staff Reporter

Prayagraj: The fourth lecture on the topic One Earth, One Health was organised on Wednesday at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, as part of the lecture series organised under the Central Government's 12 Saal Bemisal programme series.

Healthy citizens are the basis of nation building - Prof Satyakam

The keynote speaker, Professor Girendra Singh Tomar, Visiting Professor, Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur, stated in his online address that human health is inextricably linked to the health of nature. Society can only remain healthy if water, forests, land, and animals are healthy and protected. He stated that if the earth suffers from pollution

country is making steady progress in various areas of education, health, environment, and social development.

He stated that the concept of "One Earth, One Health" is a highly relevant initiative in our times, paving the way for a balanced relationship between humans and nature.

Professor Satyakam stated that healthy citizens are the foundation of nation-building.

He stated that a healthy nation can only be built with a healthy body and a healthy society. He urged the youth to embrace yoga, a balanced diet, cleanliness, environmental protection, and Indian values, conveying the message of active participation in building a developed India.

Public Relations Officer Dr. Prabhat Chandra Mishra stated that Nodal Officer Professor Sanjay Singh verbally welcomed the guests and introduced the topic. The program was conducted by Dr. Sunil Kumar, and Professor Anandanand Tripathi expressed his gratitude. The program was attended by notable faculty, officers, staff, researchers, and students.

मुविवि में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल व्याख्यानमाला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित व्याख्यानमाला के अंतर्गत बुधवार को वन अर्थ, वन हेल्थ विषय पर चतुर्थ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर गिरेंद्र सिंह तोमर, विजिटिंग प्रोफेसर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने ऑनलाइन उद्बोधन में कहा कि मानव का स्वास्थ्य प्रकृति के स्वास्थ्य से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। उन्होंने वृक्षारोपण के साथ-साथ वृक्ष संरक्षण को भी अत्यंत आवश्यक बताते हुए वैदिक वचनों का उल्लेख किया और कहा कि भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष को दस पुत्रों के समान महत्त्व दिया गया है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज से ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होगा। उन्होंने युवाओं से योग, संतुलित आहार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा भारतीय जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया।जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि नोडल अधिकारी प्रोफेसर संजय सिंह ने अतिथियों का वाचिक स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सुनील कुमार एवं प्रोफेसर आनन्दानंद त्रिपाठी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

Staff Reporter

Prayagraj: Cabinet Minister Nand Gopal Gupta 'Nandi' met the families of Anupam Gupta, Vijay Patel and Uday Patel, residents of Jafarpur alias Babuganj, in a horrific road accident on the Ganga Expressway in Unnao and expressed condolences on Wednesday.

MLA Deepak Patel, Municipal Council President Amarnath Yadav, and BJP District Treasurer Ashish Kesarwani were also present. Minister Nandi consoled the bereaved families and prayed to God for the peace of the departed souls and for the strength of the family to bear the grief. Dr. Rakesh Kesarwani, Alok Gupta, Ashok Chaudhary, Neeraj Jaiswal, Rajkumar Modanwal, and others were present on the occasion.

मुविवि में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल व्याख्यानमाला

योग से शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव : प्रोफेसर तोमर, राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक -प्रोफेसर सत्यकाम

प्रयाग केसरी संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित व्याख्यानमाला के अंतर्गत बुधवार को वन अर्थ, वन हेल्थ विषय पर चतुर्थ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर गिरेंद्र सिंह तोमर, विजिटिंग प्रोफेसर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने ऑनलाइन उद्बोधन में कहा कि मानव का स्वास्थ्य प्रकृति के स्वास्थ्य से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। जल, जंगल, जमीन और जीव-जंतुओं के स्वस्थ एवं संरक्षित रहने पर ही समाज स्वस्थ रह सकता है। उन्होंने कहा कि यदि पृथ्वी प्रदूषण, असंतुलन और कुपोषण से ग्रस्त होगी तो मानव जीवन भी सुखी और निरोगी नहीं रह पाएगा। उन्होंने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 के मंच से वन अर्थ, वन हेल्थ का संदेश देकर विश्व समुदाय को समेकित स्वास्थ्य की दिशा प्रदान की। प्रोफेसर तोमर ने भारतीय ज्ञान परम्परा, वेद, उपनिषद तथा आयुर्वेद के उदाहरणों के माध्यम से निरोगी जीवन के सूत्र प्रस्तुत करते हुए आहार, विहार, आचार एवं औषधि को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। उन्होंने संतुलित एवं समयानुकूल भोजन, मोटे अनाज (मिलेट्स) के उपयोग, फास्ट फूड के सीमित सेवन तथा भारतीय जीवन-पद्धति को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम एवं योगाभ्यास को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि नियमित योग से अनेक शारीरिक विकारों की रोकथाम संभव है।

उन्होंने वृक्षारोपण के साथ-साथ वृक्ष संरक्षण को भी अत्यंत आवश्यक बताते हुए वैदिक वचनों का उल्लेख किया और कहा कि भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष को दस पुत्रों के समान महत्त्व दिया गया है। उन्होंने डिजिटल हेल्थ, स्मार्ट फार्मा, आयुर्वेद तथा विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। स्वस्थ जीवन के लिए प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व जागने, ताम्रपात्र में जल ग्रहण करने तथा सूर्यास्त से पूर्व भोजन करने की उपयोगिता को भी उन्होंने रेखांकित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि वन अर्थ, वन हेल्थ की अवधारणा वर्तमान समय की अत्यंत प्रासंगिक पहल है, जो मानव और प्रकृति के मध्य संतुलित संबंध स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज से ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होगा। उन्होंने युवाओं से योग, संतुलित आहार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा भारतीय जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया।

जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि नोडल अधिकारी प्रोफेसर संजय सिंह ने अतिथियों का वाचिक स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सुनील कुमार एवं प्रोफेसर आनन्दानंद त्रिपाठी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

Yoga is Not Only About Physical Fitness; It Promotes Humanity, Environmental Protection and Global Unity: Dr. Tomar

JUSTICE EXPRESS

Prayagraj: As part of the lecture series being organized on the completion of twelve years of the Central Government's initiatives of Seva, Sushasan and Jan Kalyan, the Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj organized a special lecture on June 17, 2026.

International President of Vishwa Ayurveda Mission and National Vice President of Arogya Bharati, Prof. (Dr.) Girendra Singh Tomar, delivered a lecture on the topic "Yoga for One Earth, One Health." The programme was presided over by the Hon'ble Vice-Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Acharya Satyakam.

Programme Coordinator Prof. Sanjay Kumar Singh introduced the theme and welcomed the chief speaker. In his address, Dr. Tomar said that "One Earth, One Health" is an important global concept that recognizes the deep interconnection between the health of humans, animals, plants and the entire environment. Also known as "One Health," this approach emphasizes that overall well-being cannot be achieved by focusing only on human health while ignoring other components of nature.

Dr. Tomar highlighted that effective implementation of this concept requires close coordination between human medicine, veterinary science and environmental sciences to prevent diseases transmitted from animals to humans, such as zoonotic diseases. He emphasized that ecological balance, climate change and biodiversity conservation directly influence the availability of clean air, water and food.

He stated that this goal cannot be achieved by any single country or region alone; global cooperation is essential. Sharing medical research, resources and knowledge beyond geographical boundaries is necessary to address health emergencies effectively.

Dr. Tomar explained that in India, this concept is deeply connected with ancient philosophy and the tradition of Yoga. "Yoga for One Earth, One Health" conveys the message that yoga is not limited to personal physical fitness but also contributes towards the welfare of humanity, environmental protection and global harmony.

He further stressed the importance of integrated surveillance to monitor diseases affecting both humans and animals. Along with this, environmental conservation is equally important. Preventing deforestation and pollution is necessary to protect natural habitats. He also underlined the need for sustainable development, ensuring that natural resources are utilized responsibly without harming the environment. In his presidential address, Acharya Satyakam welcomed Dr. Tomar and highlighted the relevance of the lecture series. He stated that it is the responsibility of the university to communicate the achievements of the Central Government's twelve years of Seva, Sushasan and Jan Kalyan to the general public. He added that Dr. Tomar's lecture on "Yoga for One Earth, One Health" effectively presented the vision, philosophy and ideas behind this approach.

At the conclusion of the programme, Prof. Anandanand Tripathi proposed the vote of thanks, while Dr. Sunil Kumar conducted the proceedings. A large number of participants from various institutions and universities across Uttar Pradesh and other parts of the country attended the lecture.

g, incredible n every field: Chaudhary

crocodiles, and fish has increased, indicating that the water quality of the Ganges has improved. Various investigations have also revealed that the water of the Ganges has become cleaner. The water of the Ganges is uninterrupted.

Drains are being closed and purified. In the last 12 years, under the leadership of PM Narendra Modi, the country has seen development in every sector. Awareness about water conservation has increased. An exhibition highlighting the achievements of the central government was also organized, which was inaugurated by the Union Minister.

The program was conducted by Metropolitan Vice President Anil Kesarwani and vote of thanks was given by Metropolitan President Sanjay Gupta. The coordinator of the program was Anuj Kushwaha and co-coordinator was Vikram Bhadoria. Before this, Metropolitan President Sanjay Gupta welcomed the Union Minister by wearing a shawl and presenting him a bouquet of flowers. Shashi Vashishtha, Kunj Bihari Mishra, MLA Siddharth Nath Singh, Harshvardhan Bajpai, Mayor Ganesh Kesharwani, Kashi region Vice President Awadhesh Chandra Gupta, Pramod Modi, Ramesh Pasi, Rajendra Mishra, Ravindra Mishra, Brijesh Gupta, Councilor Neeraj Gupta, Anup Kumar Manoj Kushwaha, Anamika Chaudhary, Vinod Prajapati, Kamlesh Gautam, Dr. Shailesh Pandey, Vijay Srivastava, Pawan Srivastava, Vivek Mishra, Deep Dwivedi etc. were present.

Dialogue was held by honoring enlightened people: Union Minister of State for Water Power, Rajbhushan Chaudhary, who arrived in Prayagraj to attend the Developed India Resolution Conference, visited the homes of enlightened members of society as part of a special public relations campaign, honoring them and interacting with them. Senior physician Dr. GL Gupta and Director of the Acupressure Research, Training, and Treatment Institute, Prayagraj, JP Agarwal were honored at their homes.

Minister Nandi met families of ouths who died in Ganga E-way mishap

Staff Reporter

Prayagraj: Cabinet Minister Nand Gopal Gupta 'Nandi' met the families of Anupam Gupta, Vijay Patel and Uday Patel, residents of Jafarpur alias Babuganj, in a horrific road accident on the Ganga Expressway in Unnao and expressed condolences on Wednesday.

MLA Deepak Patel, Municipal Council President Amarnath Yadav, and BJP District Treasurer Ashish Kesarwani were also present. Minister Nandi consoled the bereaved families and prayed to God for the peace of the departed souls and for the strength of the family to bear the grief. Dr. Rakesh Kesarwani, Alok Gupta, Ashok Chaudhary, Neeraj Jaiswal, Rajkumar Modanwal, and others were present on the occasion.

Prevention of physical disorders possible via yoga: Prof Tomar

Staff Reporter

Prayagraj: The fourth lecture on the topic One Earth, One Health was organised on Wednesday at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, as part of the lecture series organised under the Central Government's 12 Saal Bemisal programme series.

Healthy citizens are the basis of nation building - Prof Satyakam

The keynote speaker, Professor Girendra Singh Tomar, Visiting Professor, Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur, stated in his online address that human health is inextricably linked to the health of nature. Society can only remain healthy if water, forests, land, and animals are healthy and protected. He stated that if the earth suffers from pollution, imbalance, and malnutrition, human life will also be unable to remain happy and healthy. He explained that India's Prime Minister, Narendra Modi, provided the message of "One Earth, One Health" from the G-20 platform, providing the global community with a direction towards inclusive health. Professor Tomar presented the principles of healthy living through examples from the Indian knowledge tradition, the Vedas, the Upanishads, and Ayurveda. He emphasized diet, behavior, conduct, and medicine as the foundation of a healthy life. He emphasized the importance of a balanced and timely diet, the use of millets, limited consumption of fast food, and the adoption of the Indian way of life. He stressed the need to make Surya Namaskar, Anulom-Vilom and Yoga a part of daily routine and said that prevention of many physical disorders is possible through regular yoga.

Citing Vedic verses, he emphasized the importance of tree plantation as well as tree conservation, noting that Indian culture values a tree as much as ten sons. He also highlighted the need for integration between digital health, smart pharma, Ayurveda, and various medical systems.

He also underscored the importance of waking up before sunrise, drinking water in a copper vessel, and eating before sunset for a healthy life.

Presiding over the program, Professor Satyakam, Vice Chancellor of the Open University, stated that under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, the country is making steady progress in various areas of education, health, environment, and social development.

He stated that the concept of "One Earth, One Health" is a highly relevant initiative in our times, paving the way for a balanced relationship between humans and nature. Professor Satyakam stated that healthy citizens are the foundation of nation-building.

He stated that a healthy nation can only be built with a healthy body and a healthy society. He urged the youth to embrace yoga, a balanced diet, cleanliness, environmental protection, and Indian values, conveying the message of active participation in building a developed India.

Public Relations Officer Dr. Prabhat Chandra Mishra stated that Nodal Officer Professor Sanjay Singh verbally welcomed the guests and introduced the topic. The program was conducted by Dr. Sunil Kumar, and Professor Anandanand Tripathi expressed his gratitude. The program was attended by notable faculty, officers, staff, researchers, and students.

मुविवि में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल व्याख्यानमाला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित व्याख्यानमाला के अंतर्गत बुधवार को वन अर्थ, वन हेल्थ विषय पर चतुर्थ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर गिरेंद्र सिंह तोमर, विजिटिंग प्रोफेसर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने ऑनलाइन उद्बोधन में कहा कि मानव का स्वास्थ्य प्रकृति के स्वास्थ्य से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। उन्होंने वृक्षारोपण के साथ-साथ वृक्ष संरक्षण को भी अत्यंत आवश्यक बताते हुए वैदिक वचनों का उल्लेख किया और कहा कि भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष को दस पुत्रों के समान महत्त्व दिया गया है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का आधार स्वस्थ नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज से ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होगा। उन्होंने युवाओं से योग, संतुलित आहार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा भारतीय जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया।जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि नोडल अधिकारी प्रोफेसर संजय सिंह ने अतिथियों का वाचिक स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सुनील कुमार एवं प्रोफेसर आनन्दानंद त्रिपाठी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।